REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 9 | ISSUE - 9 | JUNE - 2020

"मीरजापुर जनपद में साक्षरता का स्वरूप : एक भौगोलिक विश्लेषण"

सन्त लाल[1]&डॉ. डी. पी. सिंह[2]
[1]असिस्टेंट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, का.सु. साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय,अयोध्या, (उ.प्र.)
व शोध छात्र एम.एल.बी.शा. उत्कृष्ट महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
[2]प्रोफेसर, भूगोल विभाग गवर्नमेंट कालेज, राघोगढ़, म.प्र.

सारांश –

मानव विकास का स्तर व जीवन की गुणवत्ता के मापन का मुख्य तत्व शिक्षा है तथा शिक्षा के विकास से मानव संकीर्ण परिवेश से ऊपर उठकर सामाजिक–आर्थिक और राजनीतिक प्रवृत्तियों से परस्पर अन्तर्सम्बन्धित हो जाता है, जो सिर्फ एक इकाई के रूप में ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण समाज के विकास में अपने दायित्व का निर्वहन करने में अधिक सक्षम होता है। "साक्षरता समकालीन विकास की चुनौतियों को समझने और उसका समाधान प्रस्तुत करने का एक माध्यम है। पिछड़े समाज की प्रोन्नति हेतु एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में साक्षरता की महत्वपूर्ण भूमिका है।"[1]

मीरजापुर जनपद $24^0 35' 30''$ उत्तरी अक्षांष से $25^0 16' 30''$ उत्तरी अक्षांष तथा $82^0 7'$ से $83^0 13'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य उत्तर प्रदेश के दक्षिणी पूर्वी भाग में स्थित हैं। जनपद के उत्तर में वाराणसी तथा सन्त रविदास नगर (भदोही), पूर्व में चन्दौली जनपद, दक्षिण–पूर्व में सोनभद्र, दक्षिण–पश्चिम में सीधी और रीवां जनपद (मध्य प्रदेश) तथा पश्चिम में प्रयागराज जनपद स्थित है। जनपद का सम्पूर्ण भौगोलिक क्षेत्रफल 4521 वर्ग किलोमीटर एवं कुल जनसंख्या 20,74,709 (10,93,849 पुरूष, 9,80,860 महिला) है (जनगणना 2001)। जबकि जनगणना 2011 के अनुसार कुल क्षेत्रफल 4521.0 वर्ग किलोमीटर एवं कुल जनसंख्या 24,96,970 (13,12,467 पुरूङ्ग तथा 11,84,503 महिला) है।

कुल जनसंख्या में साक्षर व्यक्तियों का अनुपात ही साक्षरता कहलाती हैं। अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता का प्रतिशत 68.46 है। जिनमें पुरूष जनसंख्या में साक्षरता 78.92 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता 56.86 है अर्थात् महिलाओं साक्षरता का प्रतिशत पुरूषों की अपेक्षा कम है। इसके अलावा विकासखण्ड के स्तर पर भी साक्षरता में काफी असमानता व्याप्त है। जनपद के नगरीय क्षेत्रों में साक्षरता दर 75.12 प्रतिशत, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों मे साक्षरता 67.27 प्रतिशत है। नगरीय क्षेत्रों में अधिक साक्षरता का कारण यहाँ विकसित गैर प्राथमिक व्यावसायिक संरचना है। जिसके संचालन हेतु शिक्षित होना अति आवश्यक है। उच्च सामाजिक आर्थिक स्तर, शिक्षण सुविधाओं की उपलब्धता, स्त्रियों की उच्च सामाजिक स्तर, ग्रामीण नगरीय स्थानान्तरण, नगरीय क्षेत्रों में विकसित प्राथमिक–व्यवसायिक संरचना, शिक्षा की उपेक्षा, स्तरीय शिक्षण संस्थाओं का अभाव, इस क्षेत्र की साक्षरता प्रसार में अवरोधक हैं। साक्षरता के क्षेत्रीय वितरण प्रतिरूप को स्पष्ट करने हेतु जनपद को तीन साक्षरता क्षेत्रों में बांटा गया है। (तालिका संख्या:1)

तालिका संख्या : 1
जनपद मीरजापुर : शैक्षिक विकास का वितरण प्रतिरुप

क्रमांक	विकासखण्ड का नाम	कुल साक्षरता	पुरूष साक्षरता	महिला साक्षरता
1.	छानबे	72.55	86.56	56.91
2.	कोन	70.88	83.21	56.89
3.	मझवा	72.07	84.52	58.84
4.	नगर सिटी	65.03	76.86	51.53
5.	पहाड़ी	65.78	77.57	52.80
6.	लालगंज	61.60	72.58	49.42
7.	हलिया	59.66	70.15	48.08
8.	मड़िहान	57.96	67.70	47.30
9.	राजगढ़	65.53	74.42	55.23
10.	सिखड़	76.35	86.56	65.27
11.	नरायनपुर	74.78	84.11	64.62
12.	जमालपुर	66.12	75.94	55.46
	योग ग्रामीण	67.27	78.34	55.46
	योग नगरीय	75.12	82.29	67.78
	योग	68.46	78.92	56.86

स्रोत– जिला सांख्यिकी पत्रिका मीरजापुर, 2018।

उच्च स्तरीय शिक्षित क्षेत्र :

उच्च स्तरीय क्षेत्र में वे विकासखण्ड हैं जहाँ साक्षरता का स्तर 70.00 प्रतिशत से अधिक है। इस वर्ग में छानवे, कोन, मझवा, सीखड़ तथा नरायनपुर विकासखण्डों को शामिल किया गया है। यहाँ पर उच्च शैक्षिक स्तर का कारण क्षेत्र में सामाजिक–आर्थिक स्तर का उच्च होना है।

मध्यम स्तरीय शिक्षित क्षेत्र :

इस वर्ग में उन क्षेत्रों को शामिल किया गया है जहाँ साक्षरता दर 60–70 प्रतिशत के मध्य है। इस वर्ग में नगर सिटी, पहाड़ी, राजगढ़, जमालपुर व लालगंज विकासखण्डों को शामिल किया गया है। इन विकासखण्डों में मैदानी क्षेत्रों के साथ ही पहाड़ी व पठारी क्षेत्र भी शामिल हैं। यहाँ मध्यमस्तरीय सामाजिक व आर्थिक स्तर के कारण साक्षरता दर का स्तर भी मध्यम है। यहाँ भी पहाड़ी व मैदानी क्षेत्रों की साक्षरता में अन्तर देखने को मिलता है।

न्यून स्तरीय शिक्षित क्षेत्र :

इस वर्ग में शामिल विकासखण्डों में साक्षरता का स्तर 65 प्रतिशत से भी कम है। ये क्षेत्र पठारी–जंगली तथा अधिकांश अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग की जनसंख्या तथा निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के कारण साक्षरता का स्तर निम्न हैं। इस वर्ग में हलियाँ तथा मड़िहान विकासखण्ड शामिल हैं।

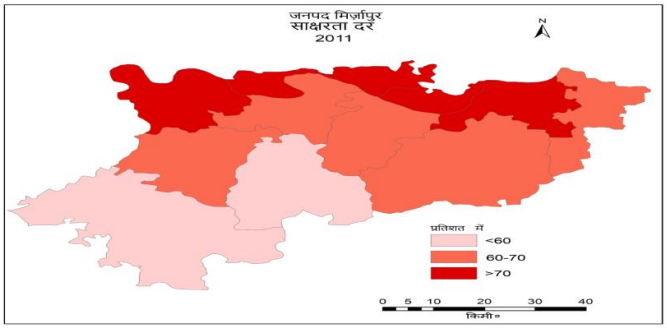

जनपद में साक्षरता का स्तर (68.46 प्रतिशत) उत्तर प्रदेश के साक्षरता (67.70 प्रतिशत) से अधिक तथा राष्ट्रीय साक्षरता दर (73.00 प्रतिशत) से कम है। जनपद में सिर्फ 2 विकासखण्ड सिखड़ व नरायनपुर में ही साक्षरता दर राष्ट्रीय साक्षरता दर से अधिक है। जनपद में पुरूष साक्षरता दर (78.92 प्रतिशत) की बात करें तो यहाँ पर पुरूष साक्षरता (77.28 प्रतिशत) से थोड़ा ज्यादा है। जनपद में छानवे (86.56), सिखड़ (86.56), नरायनपुर (84.11), मझवां (84.52) तथा कोन (83.21) विकासखण्ड में पुरूष साक्षरता का स्तर (80.90) से कम तथा उत्तर प्रदेश की पुरूष साक्षरता (77.28) स्तर से अधिक है जबकि मड़िहान (67.70) विकासखण्ड में पुरूष साक्षरता का स्तर सबसे कम है। इसके अलावा हलिया (70.15), लालगंज (72.58) व राजगढ़ (74.42) विकासखण्ड में निम्न पुरूष साक्षरता का स्तर पाया जाता है।

भारतीय समाज में ऐसा माना गया है कि यदि एक पुरूष शिक्षित होता है तो एक व्यक्ति शिक्षित बनता है लेकिन यदि एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार शिक्षित माना जाता है। उपरोक्त कथन भारतीय समाज में महिला शिक्षा की महत्ता को दर्शाता है किन्तु राष्ट्रीय स्तर पर देखा जाय तो देश में महिलाओं की शिक्षा का स्तर बहुत ही दयनीय है। देश में महिला साक्षरता (64.60 प्रतिषत) पुरूष साक्षरता से लगभग 16.00 प्रतिशत कम है। दूसरे शब्दों में अभी भी देश में लगभग 36.00 प्रतिशत महिलाएं शिक्षा से वंचित है जबकि उत्तर प्रदेश में महिला साक्षरता 57.18 प्रतिशत है, यानि 21वीं सदी में भी उत्तर प्रदेश में 43.00 प्रतिशत महिलाएं अशिक्षित हैं तथा उत्तर प्रदेश में पुरूष व महिला साक्षरता में अन्तर लगभग 20.00 प्रतिशत है। अध्ययन क्षेत्र मीरजापुर में महिला साक्षरता का स्तर 56.86 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय स्तर पर महिला साक्षरता दर से 8.00 प्रतिशत कम है जो जनपद में महिलाओं की दयनीय स्थिति को दर्शाती है। जनगणना 2011 के अनुसार जनपद में लगभग 43.00 प्रतिशत महिलाएं अशिक्षित है। जनपद में अधिकांश महिलाएं 10वीं व 12वीं के बाद पढ़ाई छोड़ देती हैं तथा महिलाओं में उच्च शिक्षा का स्तर बहुत ही कम है। जनपद में मड़िहान (47.30 प्रतिशत), लालगंज (49.42 प्रतिशत) व हलिया (48.08 प्रतिशत) विकासखण्ड में आधे से अधिक महिलाएं अशिक्षित हैं, जबकि सिखड़ (65.27 प्रतिशत), नरायनपुर (64.62 प्रतिशत) व मझवां (58.84) विकासखण्ड में महिला साक्षरता का स्तर सबसे ज्यादा है। जनपद में महिला साक्षरता के लिए बहुत ज्यादा काम करने की आवश्यकता है।

मीरजापुर जनपद में (2007–08) प्रति लाख जनसंख्या पर 74.40 प्राथमिक विद्यालय, 32.22 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 5.90 माध्यमिक विद्यालय की संख्या थी। सन् 2017–18 में प्रति लाख जनसंख्या पर 83.94 प्राथमिक विद्यालय, 38.18 उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं 11.03 माध्यमिक विद्यालय की संख्या है। उक्त अवधि में जनसंख्या वृद्धि के कारण प्रति लाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालय तथा उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों की संख्या में वृद्धि के कारण ही जनपद में साक्षरता स्तर में भी काफी सुधार हुआ है। इस दौरान जनपद में प्राइवेट स्कूलों व कालेजों की संख्या में काफी वृद्धि हुयी है।

मीरजापुर जनपद में अति उच्च शिक्षा संस्थानों के (इन्जीनियरिंग, व्यावसायिक शिक्षा) अभाव के कारण छात्रों को अन्य नगरों यथा इलाहाबाद, दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी आदि को जाना पड़ता हैं। जहाँ तक ग्रामीण शैक्षिक विकास का सम्बन्ध है, वहाँ तक शैक्षिक प्रणाली पर उनके मूल्यों और प्रवृत्तियों पर दृष्टिपात रखना अभीष्ट है, क्योंकि इसका लक्ष्य निम्न स्तर के लोगों में गुणात्मक विकास करना तथा महिलाओं सहित संभावित रोजगार हेतु लोगों को प्रशिक्षित करना है। हालांकि मीरजापुर में मेडिकल कालेज का निर्माण हो रहा है, किन्तु जनपद में एक राज्य विश्वविद्यालय की आवश्यकता है साथ ही बी.एच.यू. के राजीव गांधी कैंपस (बरकछां, मीरजापुर) में और ज्यादा विषयों के संचालन की आवश्यकता है। जिसमें जनपद के बच्चों को उच्च स्तर मानवीय तथा तकनीकी स्तर की शिक्षा प्राप्त हो सके।

सन्दर्भ

1. Mishra, H.N. (1987): "Rural Geography Heritage", New Delhi.
2. जिला सांख्यिकी पत्रिका, जनपद मीरजापुर (2018)।
3. जनपद हस्त पुस्तिका, जनपद मीरजापुर।
4. जनगणनाः 2011।